॥ ॐ॥

शिव ॐ साई ट्रस्ट

SHIV OM SAI TRUST

Registered under the Madhya Pradesh Trust Act, Regd No. 1134

सर्वेश्वर महादेव मंदिर का भूमि पूजन

14 मई 2015, इंदौर, आज से कुछ सात वर्ष पहले काशी मरणान्मुक्ति पुस्तक की प्रतिलिपि के संकलन पूर्ण होने पर लेखक श्री मनोज ठक्कर ने जब पुस्तक को उपहार स्वरुप देने का निर्णय लिया, तब उनके शिष्यों ने उस पर असहमति जताते हुए यह कहा कि इस बेचा जाये और इस राशि को किसी सामाजिक कार्य के लिए उपयोग में लिया जाये। तब ठक्कर जी ने भी इस पर सहमति प्रदान की और निर्णय लिया की इस राशि से मानसिक रूप से अल्पविकसित बच्चों के लिए विश्वस्तरीय शैक्षणिक, आवासीय एवं स्वास्थ सुविधा गृह का निर्माण एवं संचालन किया जाए।

तब से ही शिव ॐ साई ट्रस्ट का गठन किया गया और परियोजना पर कार्य किया जाने लगा, पिछले वर्ष श्री ठक्कर जी जब अपनी अगली पुस्तक जो कि शिवसूत्र एवं पाशुपत पर आधारित है पर कार्यरत थे तब उनको अपने एक शिष्य के पिता के शिव निर्माण के वचन की बात सुनी तब उन्हें यह प्रेरणा भी मिली कि सुविधा गृह के साथ काठमांडू स्थित पशुपति नाथ मंदिर के सदृश बाबा भोलेनाथ का मंदिर भी स्थापित किया जाए। परम शिव की प्रेरणा एवं कई लोगों की शुभेच्छा और योगदान से यह दोनों कार्य मूर्त रूप में आने लगे, इसी कार्य का भूमि पूजन उत्सव कई संत जिसमे महंत श्री रघुमूनि जी (श्रीमहंत, बड़ा उदासीन अखाड़ा), दादाजी ढहया भाई शास्त्री (संस्थापक, ब्रह्मर्षि संस्कार धाम, नडियाद), महामंडलेश्वर गुरुशरणानन्द जी एवं स्वामी सुरेशानंद तीर्थजी महाराज, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला और जीतू पटवारी की उपस्तिथि में सम्पन्न हुआ ।

श्री मनोज ठक्कर आधुनिक युग के फ़कीर है, जो अपने गुरु शिर्डी वाले साई बाबा की तरह ही बोली में अक्खड़ एवं व्यवहार से फक्खड़ होते हुए अपना जीवन एक गृहस्थ सन्यासी की तरह व्यतीत करते है, आपने तीन पुस्तकों का लेखन भी किया है।

॥ ॐ॥

शिव ॐ साई
ट्रस्ट

SHIV OM SAI TRUST

Registered under the Madhya Pradesh Trust Act, Regd No. 1134

गुरू शरणानन्दजी ने शिव जी के संदर्भ में कहा कि भगवान शिव दिगंबर है श्मशान में रहने वाले है। इनके स्वयं के पास कुछ नहीं है पर जिन पर इनकी कृपा हो जाए उसे राजा महाराजा बना देते है। वे संगीतशास्त्र, कामशास्त्र एवं व्याकरण के परम आचार्य है।

मंदिर निर्माण कार्य में सहयोग के संदर्भ में उन्होने कहा कि अगर धनी मनुष्य अपने धन का सदुपयोग करना चाहे तो मंदिर से जुड़े।

नड़ियाद से पधारे श्री डाह्या भाई शास्त्री ने कहा कि जिस तरह पुष्प की सुगंध दिखती नहीं उसकी अनुभुति होती है उसी तरह भगवान दिखते नहीं उनकी अनुभूति होती है।

समारोह में मंत्री कैलाश वियजवर्गीय, विधायक रमेश मेंन्दोला एवं जीतु पटवारी भी मौजुद थें। कैलाश जी ने लोगों के आग्रह पर भजन सुनाया। जब उन्हे मंच पर दो शब्द बोलने को कहा तो उन्होने चुटिले अंदाज में कहा कि संतो के बाद शैतान का भाषण ठिक नहीं है।

समारोह का समापन कैलाशजी ने मनोजजी ठक्कर एवं शिव ॐ साई ट्रस्ट परिवार का आभार प्रकट करके किया।